प्रथमहिं करवट लेत कन्हैया

प्रथमहिं करवट लेत कन्हैया:-

प्रथमहिं करवट लेत कन्हैया,
मनत महल अभिषेक महोत्सव,
नन्द दुअरवाँ बजत बधैया,
प्रथमहिं करवट----------।।

मंत्रोच्चार करत मुनि ब्राह्मण,
संग गोपिन यशुमति लेत बलैया,
प्रथमहि करवट----------।।

धन धान्य संग नन्द लुटावत,
स्वर्ण सुसज्जित सुन्दर गईया,
प्रथमहिं करवट ----------।।

देवन ब्योम कुसुम बर्षावत,
लाल लाल कोपल हरि पइयाँ,
प्रथमहिं करवट लेत कन्हैया-।।

रचना आभार:
ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17660/title/Prathamahin-Karwat-Let-Kanhaiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |